

न्यायालय जिला कलक्टर, अलवर (राजस्थान)

अपील संख्या
12/101/2019

प्रवेश तिथि
01-10-2019

निर्णय दिनांक
09-02-2021

01-राजकुमार पुत्र रघुवर ब्राहमण निवासी दौसोद तहसील नीमराणा जिला अलवर।
अपीलान्त

बनाम

01-राजस्थान सरकार जरिये नायब तहसीलदार नीमराना तहसील व जिला अलवर।
रेस्पोंडेन्ट

अपील विरुद्ध निर्णय नायब तहसीलदार नीमराना
दिनांक 11-09-2017 अन्तर्गत धारा 91 भू
राजस्व अधिनियम प्रकरण संख्या 05/17

उपस्थित:-

01. श्री अशोक कुमार जानवाल
02. श्री दीपक मीना

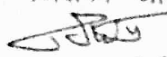
-वकील अपीलान्त
-राजकीय अधिवक्ता

---:: निर्णय ::---

अपीलान्त ने यह अपील नायब तहसीलदार नीमराना के आदेश दिनांक
11-09-2017 जिसके तहत अपीलान्त को ग्राम दौसोद तहसील नीमराना के आराजी
खसरा नम्बर 1534 रकबा 0.09 हैक्टर किस्म बारानी-1 पर से बेदखल करने एवं 41/-
रुपये की पैलेन्टी से दण्डित करने के आदेश दिये गये हैं, से व्यथित होकर पेश की है।

अपील अपीलान्त दर्ज रजिस्टर कर रेस्पौ0 को जर्जे सम्मन तलब किया गया
एवं तहत अदालत का रिकार्ड तलब किया गया। बहस सुनी गई।

विद्वान अभिभाषक अपीलान्तस ने अपील में अंकित तथ्यों को दोहराते हुये
निवेदन किया कि विवादित आराजी खसरा नम्बर 1534 रकबा 0.09 किस्म बारानी-1 वाके
ग्राम दौसोद आराजी से अपीलान्त का कोई वास्ता नहीं है और ना ही मौके पर अपीलान्त
का कब्जा काश्त है। तहत अदालत द्वारा हल्का पटवारी की रिपोर्ट के आधार पर आलौच्य
निर्णय पारित किया गया है। अपीलान्त को सम्वत् 2073 में मौके से बेदखल किया जा
चुका था बेदखल करने के उपरान्त अपीलान्त को पुनः अतिक्रमी मानकर तीन माह की
सिविल कारावास से दण्डित किया गया है। तहत अदालत ने अपीलान्त को सुनवाई का
मौका दिए बिना नोटिस दिए आलौच्य आदेश पारित कर दिया गया। विवादित आराजी पर
अपीलान्त का कब्जा नहीं है और ना ही मौके पर कब्जा काश्त है। अपीलान्त का विवादित
आराजी पर कोई लेना-देना संबंध सरोकार नहीं है। तहत अदालत ने बिना अपीलान्त को
सुनवाई का अवसर दिए तथा अपीलान्त को अपना पक्ष प्रस्तुत करने का मौका दिए बिना
एवं मौका निरीक्षण किये, बिना पैमाईश किये अपीलाधीन आदेश पारित कर दिया। तहत
अदालत ने अपीलान्त को पश्चातवर्ती अतिक्रमी मानने में भी गलती की है, क्योंकि पूर्व में
अपीलान्त को ना तो बेदखल किया गया है, ना ही इस बाबत पत्रावली पर कोई
विश्वसनीय साक्ष्य है। अपीलान्त को तहत अदालत ने साक्ष्य, सबूत का मौका नहीं दिया
गया, और अपीलान्त की गैर मौजूदगी एकपक्षीय कार्यवाही कर पारित किया गया है।
पटवारी हल्का ने बिना मौका निरीक्षण किए ही मनमाने तरीके से गलत रिपोर्ट पेश की है
जिसकी जाँच तहत अदालत ने नहीं की और बिना वास्तविकता की जाँच किए ही


जिला कलक्टर, अलवर

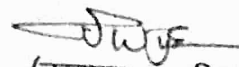
अपीलाधीन निर्णय पारित किया है जो निर्णय खिलाफ तथ्य कानून मौका साक्ष्य प्रतिपादित न्यायिक सिद्धान्तों एवं नैसर्गिक न्याय सिद्धान्त व राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 के प्रावधानों के विपरीत है। अपीलान्त को अपीलाधीन आदेश की जानकारी हाल में ही को हुई जिस पर आवश्यक दस्तावेजात की नकल दिनांक 23-10-2017 को प्राप्त हुई। अपील प्रार्थना पत्र दफा 5 कानून मियाद के साथ पेश की है। अतः अपील स्वीकार फरमाई जावें।

राजकीय अधिवक्ता ने अपील में वर्णित तथ्यों को अस्वीकार करते हुए निवेदन किया कि आराजी बजंड की है। किस्म बारानी-1 पर अतिक्रमण नहीं हो सकते। अपीलान्त ने मौके पर अवैद्य रूप से बारानी-1 की भूमि पर कपास की खेती कर रखी है जिसका उन्हें कोई अधिकार नहीं है। अतः अपील अपीलान्त खारिज फरमाई जाकर अपीलाधीन आदेश यथावत रखा जावे।

हमने पत्रावली का अवलोकन किया एवं बहस पर मनन किया। सर्वप्रथम दफा-5 मियाद अधिनियम के प्रार्थना पत्र पर विचार किया गया। अपीलान्त ने यह अपील अपीलीय आदेश के विरुद्ध दिनांक 25-1-2017 को इस न्यायालय में पेश की है। प्रार्थना पत्र दफा-5 में दर्ज तथ्यों तथा अपीलान्त के शपथ पत्र पर विश्वास करते हुए तथा नरमी का रुख अपनाते हुए विलम्ब को माफ किया जाकर अपील अन्दर मियाद शुमार की जाती है। अपीलान्त ने अपील पेश कर मुख्य तर्क उठाया है कि विवादित आराजी अपीलान्त का कोई अतिक्रमण/कब्जा नहीं है। पटवारी हत्का ने खिलाफ बिना कोई पैमाईश किये तहत अदालत को रिपोर्ट पेश की है। तहत अदालत ने बिना अपीलान्त को सुनवाई का अवसर दिए तथा अपीलान्त को अपना पक्ष प्रस्तुत करने का मौका दिए बिना एवं मौका निरीक्षण किये, बिना पैमाईश किये अपीलाधीन आदेश पारित कर दिया। तहत अदालत की पत्रावली का अवलोकन किया, तहत अदालत द्वारा अपीलान्त को सुनवाई/साक्ष्य पेश करने का मौका नहीं दिया गया। अपीलान्त को बिना सुनने अपीलीय आदेश पारित करना विधिक अनुरूप उचित नहीं समझते हैं। अतः अपील अपीलान्त स्वीकार की जाकर रिमान्ड किये जाने योग्य है।

उपरोक्त विवेचन के आधार पर अपील अपीलान्त रिमान्ड की जाती है। तहसीलदार नीमराना का निर्णय दिनांक 11-09-2017 को निरस्त किया जाता है। अपील अपीलान्त तहसीलदार नीमराना को इस निर्देश के साथ प्रति प्रेषित की जाती है कि विवादित आराजी की जाँच कर एवं अपीलान्त को सुनवाई एवं साक्ष्य का समुचित अवसर दिया जाकर नियमानुसार पुनः निर्णय पारित करें। निर्णय प्रति के साथ तहत रिकार्ड वापिस भिजवाया जावे। इस न्यायालय की पत्रावली फ़ैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो याद तकमील दाखिल दफतर हो।

निर्णय आज दिनांक 09-02-2021 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।


(नन्मल पहाडिया)
जिला कलेक्टर, अलवर